भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

वित्तीय सेवाएं विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *11

जिसका उत्तर सोमवार, 01 दिसंबर, 2025/10 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया गया

अदाणी समूह में जीवन बीमा निगम का निवेश

*11. डॉ. मोहम्मद जावेद:
श्रीमती महुआ मोइत्राः

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने हाल ही में अदाणी समूह में निवेश किया है, जबकि उनकी विनियामक जांच चल रही है और यदि हां, तो इस संबंध में किए गए कुल निवेश का ब्यौरा किया है;

(ख) क्या मंत्रालय या डीएफएस द्वारा एलआईसी या सार्वजनिक क्षेत्र की अन्य वित्तीय संस्थाओं को अदाणी समूह की कंपनियों में निवेश करने के लिए कोई निदेश या सलाह जारी की गई थी, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ग) ऐसे निवेश से पूर्व किए गए समुचित अध्यवसाय, जोखिम आकलन और न्यासीय अनुपालन का ब्यौरा क्या है तथा क्या सेबी या भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श किया गया था;

(घ) क्या सरकार ने पॉलिसीधारकों के लिए ऐसे निवेश के संभावित प्रभावों, बाजार की सुदृढ़ता और संस्थागत स्वतंत्रता की समीक्षा की है तथा पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए क्या निवारक कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं;

(ङ) वर्तमान में अदाणी समूह की कितनी कंपनियों में एलआईसी निवेश कर रही है और ऐसे निवेश का कंपनी-वार कुल मूल्य कितना है तथा एलआईसी द्वारा अदाणी समूह की कंपनियों में किए गए पहले निवेश का वर्ष और निवेश की गई धनराशि सहित ब्यौरा किया है; और

(च) निजी क्षेत्र की ऐसी सभी कंपनियों की सूची क्या है जिनमें एलआईसी ने निवेश किया है और ऐसी प्रत्येक कंपनी में कितनी धनराशि का निवेश किया गया है?

उत्तर

वित्त मंत्री (श्रीमती निर्मला सीतारामन)

(क) से (च): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

*****

"अदाणी समूह में एलआईसी द्वारा निवेश" के संबंध में सदन के पटल पर माननीय सदस्यों, डॉ. मोहम्मद जावेद और सुश्री महुआ मोइत्रा द्वारा पूछे गए दिनांक 01 दिसंबर, 2025 को उत्तर के लिये नियत लोकसभा तारांकित प्रश्न संख्या *11 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) से (घ) : भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने मई 2025 में अडानी पोर्ट्स विशेष आर्थिक क्षेत्र (एपीएसईजेड) द्वारा जारी सुरक्षित अपरिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) में 5000 करोड़ रुपये का निवेश किया है जो उनके बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीतियों के अनुसार स्थापित मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का पालन करते हुए यथा निर्धारित प्रक्रियाओं के पश्चात किया गया है।

वित्त मंत्रालय एलआईसी निधि के निवेश से संबंधित मामलों के संबंध में एलआईसी को कोई परामर्श/निर्देश जारी नहीं करता है। एलआईसी के निवेश संबंधी निर्णय केवल एलआईसी द्वारा ही सख्त यथा निर्धारित प्रक्रियाओं, जोखिम मूल्यांकन और न्यासिक अनुपालन के पश्चात लिए जाते हैं और ये बीमा अधिनियम, 1938 के उपबंधों के साथ-साथ भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई), भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (जहां भी लागू हो) द्वारा समय-समय पर यथा संशोधित विनियमों द्वारा अभिशासित होते हैं। व्यापक रूप से एलआईसी निवेश दर्शाते हैं कि एलआईसी ने एनएसई और बीएसई में सूचीबद्ध शीर्ष 500 कंपनियों में निवेश किया है और वर्तमान में एलआईसी के निवेश का एक बड़ा हिस्सा इन कंपनियों में से बड़ी कंपनियों में है। 30 सितंबर 2025 की स्थिति के अनुसार निफ्टी 50 कंपनियों में एलआईसी के निवेश की बुक वैल्यू 4,30,776.97 करोड़ रुपये है, जो इसके कुल इक्विटी निवेश का 45.85% है।

निगम के निवेश कार्यों का सत्यापन समवर्ती लेखा परीक्षकों, सांविधिक लेखा परीक्षकों, प्रणाली लेखा परीक्षकों, आंतरिक वित्तीय नियंत्रण (आईएफसी) लेखा परीक्षकों और आंतरिक सतर्कता समूह द्वारा किया जाता है। इस संबंध में क्षेत्र के विनियामक आईआरडीएआई द्वारा आवधिक निरीक्षण भी किए जाते हैं। एलआईसी द्वारा किए गए निवेशों पर सरकार द्वारा कोई प्रत्यक्ष निगरानी नहीं की जाती है।

(ड.) और (च): अडानी समूह की कंपनियों में एलआईसी की धारित राशि का विवरण अनुबंध-I के रूप में संलग्न है। यह वर्ष 2007 के बाद से एलआईसी प्रणाली में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार है। एलआईसी ने जिन कंपनियों में निवेश किया है, उन कंपनियों की एक विस्तृत सूची प्रदान करना व्यावसायिक दृष्टि से विवेकपूर्ण नहीं हो सकता है और इससे एलआईसी के परिचालन हित प्रभावित हो सकते हैं। 30 सितंबर 2025 की स्थिति के अनुसार, विभिन्न कंपनियों में ऋण और इक्विटी में एलआईसी का कुल निवेश, एलआईसी की इक्विटी और ऋण निवेश वाली शीर्ष 5 सार्वजनिक और निजी कंपनियों की सूची और इक्विटी एक्सपोजर के आधार पर अडानी समूह की कंपनियों की रैंकिंग अनुबंध-II में दी गई है।

***

दिनांक 01.12.2025 के लिए लोकसभा तारांकित प्रश्न संख्या 11 के भाग (ड.) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध I

अडानी समूह की कंपनियों में एलआईसी की शेयर पूंजी

		दिनांक 01.04.2007 के अनुसार स्थिति			दिनांक 30.09.2025 के अनुसार स्थिति		
क्र.सं.	कंपनी का नाम	इक्विटी बही मूल्य करोड़ रु.	ऋण बही मूल्य करोड़ रु.	कुल इक्विटी + ऋण करोड़ रु. में	इक्विटी बही मूल्य करोड़ रु.	ऋण बही मूल्य करोड़ रु.	कुल इक्विटी + ऋण करोड़ रु. में
1	अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड	-	-	-	8,470.60	-	8,470.60
2	अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड	-	-	-	3,486.10	-	3,486.10
3	अडानी पोर्ट्स एंड सेज़ लिमिटेड.	176.44	16.35	192.79	5,681.10	9,625.77	15,306.87
4	अडानी टोटल गैस लिमिटेड	-	-	-	8,646.82	-	8,646.82
5	अडानी एनर्जी सोल्यूशन लिमिटेड	-	-	-	3,729.68	-	3,729.68
6	अडानी एक्सपोर्ट्स लिमिटेड	-	50.00	50.00	-	-	-
7	अडानी पावर महाराष्ट्र लिमिटेड	-	-	-	-	-	-
	कुल	**176.44**	**66.35**	**242.79**	**30,014.30**	**9,625.77**	**39,640.07**
8	ए सी सी लिमिटेड **	1,076.77	48.00	1,124.77	2,856.82	-	2,856.82
9	अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड **	674.04	-	674.04	5,787.73	-	5,787.73
	समूह का कुल	**1,927.25**	**114.35**	**2,041.60**	**38,658.85**	**9,625.77**	**48,284.62**
	** इन कंपनियों को अडानी समूह द्वारा दिनांक 16.09.2022 से नये रूप से अधिग्रहित किया गया है						

दिनांक 01.12.2025 के लिए लोकसभा तारांकित प्रश्न संख्या 11 के भाग (च) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध II

क) 30 सितंबर 2025 की स्थिति के अनुसार, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की कंपनियों के ऋण और इक्विटी में एलआईसी का निवेश एक्सपोजर इस प्रकार है:

(करोड़ रुपये में)

विवरण	**बही मूल्य** – इक्विटी	**बही मूल्य – ऋण**
सार्वजनिक क्षेत्र	2,35,469.10	262,695.00
निजी क्षेत्र	7,04,024.67	202,046.00
कुल	**9,39,493.77**	**4,64,741.00**

ख) दिनांक 30.09.2025 तक शीर्ष 5 कंपनियों में एलआईसी की इक्विटी और ऋण एक्सपोजर इस प्रकार है:

- **सार्वजनिक क्षेत्र में एलआईसी के शीर्ष-5 ऋण निवेश:**

(करोड़ में रुपये)

क्र. सं.	कंपनी का नाम	कुल बकाया
1	पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड	48,662.98
2	इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉर्पोरेशन	40,571.04
3	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन	38,982.80
4	राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण	35,209.00
5	भारतीय स्टेट बैंक	14,614.00

- **निजी क्षेत्र में एलआईसी के शीर्ष 5 ऋण निवेश:**

(करोड़ में रुपये)

क्र. सं.	कंपनी का नाम	कुल बकाया
1	एचडीएफसी बैंक लिमिटेड	49,149.14
2	रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड	14,012.34
3	आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड	13,435.00
4	श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड	11,075.00
5	अडानी पोर्ट्स एंड सेज़ लिमिटेड.	9,625.77

- **सार्वजनिक क्षेत्र में एलआईसी के शीर्ष 5 इक्विटी निवेश**

(करोड़ में रुपये)

क्र. सं.	कंपनी का नाम	कुल बकाया
1	भारतीय स्टेट बैंक	26,872.98
3	कोल इंडिया लिमिटेड	21,860.75
2	तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड	21,179.46
4	पंजाब नैशनल बैंक	9,231.35
5	भारतीय साधारण बीमा निगम	7,628.17

- **निजी क्षेत्र में एलआईसी के शीर्ष 5 इक्विटी निवेश**

(करोड़ में रुपये)

क्र. सं.	कंपनी का नाम	कुल बकाया
1	रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड	40,901.38
2	इंफोसिस लिमिटेड	38,846.33
3	टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड	31,926.89
4	एचडीएफसी बैंक लिमिटेड	31,664.69
5	हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड	30,133.49

- **30.09.2025 तक निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों की कंपनियों में निगम के एक्सपोजर की तुलना में अडानी समूह की कंपनियों में एक्सपोजर की रैंकिंग:**

राशि के आधार पर रैंकिंग	कंपनी का नाम	बुक वैल्यू (राशि करोड़ रुपये में)
25	अडानी टोटल गैस लिमिटेड	8,646.82
27	अडानी एंटरप्राइजिज	8,470.60
40	अंबुजा सीमेंट लिमेटेड	5,787.73
43	अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड	5,681.10
65	अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड	3,729.68
71	अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड	3,486.10
81	ए सी सी लिमिटेड	2,856.82
	कुल	**38,658.85**

ग) सेबी के दिशानिर्देशों के अनुसार, सभी सूचीबद्ध कंपनियों को कंपनी में धारित शेयरों का 1% या उससे अधिक शेयरधारिता वाले शेयरधारकों के नामों का खुलासा करना होगा। तदनुसार, उन कंपनियों के बारे में जानकारी, जहां एलआईसी के पास 1% या उससे अधिक इक्विटी हिस्सेदारी है, सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध है।

*****